RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 166
दि. 15.10.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

मंगोलिया के विकास में भारत भरोसेमंद साझेदार: पीएम मोदी

नयी दिल्ली, (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना ने मंगलवार को विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। बातचीत के दौरान मंगोलिया से भारत को यूरेनियम की संभावित आपूर्ति और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने के कदमों पर चर्चा की गई।

मोदी और उखना की बातचीत के बाद दोनों देशों ने डिजिटल समाधान, खनिज संसाधनों की खोज और त्वरित प्रभाव परियोजनाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

दोनों नेताओं की बातचीत के प्रमुख विषयों में मंगोलिया में भारत की सहायता से 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर की तेल रिफाइनरी परियोजना तथा दोनों देशों के बीच समग्र ऊर्जा संबंधों को बढ़ाने के तरीके शामिल थे।

उखना चार दिवसीय भारत यात्रा पर सोमवार को नयी दिल्ली पहुंचे। राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है।

उखना के साथ बातचीत के बाद मोदी ने कहा कि भारत मंगोलिया के लोगों को मुफ्त ई-वीजा उपलब्ध कराएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत की 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता से कार्यान्वित तेल रिफाइनरी परियोजना मंगोलिया की ऊर्जा सुरक्षा को नयी मजबूती प्रदान करेगी।'

उन्होंने कहा कि यह भारत की विश्व में सबसे बड़ी विकास साझेदारी परियोजना है और 2500 से भी अधिक भारतीय पेशेवर मंगोलिया के साथियों के साथ मिलकर इस परियोजना को साकार कर रहें हैं।

मोदी ने कहा, 'हम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घनिष्ठ साझेदार के रूप में खड़े हैं और एक स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करते हैं। साथ मिलकर, हम वैश्विक दक्षिण की आवाज को बुलंद करने के लिए भी काम करते हैं।'

वहीं, मंगोलिया के राष्ट्रपति ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका की सराहना की तथा विशेष रूप से नयी दिल्ली के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का उल्लेख किया।

अपने मीडिया वक्तव्य में मोदी ने यह भी कहा कि भारत और मंगोलिया के बीच संबंध महज कूटनीतिक संबंध से कहीं अधिक है।

उन्होंने कहा, 'यह एक गहरा, आत्मीय और आध्यात्मिक बंधन है।

हमारी साझेदारी की गहराई और दायरा हमारे लोगों के बीच संबंधों में परिलक्षित होता है।'

उन्होंने कहा, 'सदियों से दोनों देश बौद्ध धर्म के सिद्धांतों से बंधे हुए हैं, यही कारण है कि हमें आध्यात्मिक सहोदर भी कहा जाता है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि उखना के साथ हुई बातचीत में दोनों देशों के बीच इस परंपरा और ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मोदी ने कहा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी है कि अगले वर्ष भगवान बुद्ध के दो महान शिष्यों — सारिपुत्र और मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेषों को भारत से मंगोलिया भेजा जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत ह्यगंदनह्ल बौद्ध मठ में एक संस्कृत शिक्षक भी भेजेगा, ताकि वहां के बौद्ध ग्रंथों का गहराई से अध्ययन किया जा सके और प्राचीन ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके।

उन्होंने कहा, 'हमने 10 लाख प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण की परियोजना को भी शीघ्र ही शुरू करने का निर्णय लिया है। मंगोलिया में बौद्ध धर्म के लिए नालंदा विश्वविद्यालय की अहम भूमिका रही है। और आज हमने तय किया है कि नालंदा और ह्यगंदन मठह्ल को साथ जोड़कर हम इन ऐतिहासिक संबधों में एक नयी उर्जा लायेंगे।'

उन्होंने कहा, 'लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद और मंगोलिया के आर-खांगाय प्रांत के बीच हुए समझौता ज्ञापन से हमारे सांस्कृतिक संबंधों को एक नयी ऊर्जा मिलेगी।'

मोदी ने कहा कि मंगोलिया की विकास गाथा में भारत एक 'दृढ़ और विश्वसनीय' साझेदार रहा है।

दोनों देशों के बीच साझेदारी रक्षा और सुरक्षा, ऊर्जा, खनन, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सांस्कृतिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में फैली हुई है।

उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि हमारा निजी क्षेत्र भी ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों, दुर्लभ खनिजों, डिजिटल, खनन, कृषि, डेरी और सहकारिता जैसे क्षेत्रों में सहयोग की नयी संभावनाएं तलाश रहा है।'

मोदी ने कहा, 'हमारे संबंध दो प्राचीन सभ्यताओं के बीच विश्वास और मैत्री की ठोस नींव पर टिके हैं। साझी सांस्कृतिक विरासत, लोकतान्त्रिक मूल्यों और विकास के लिए साझी प्रतिबद्धता इन्हें सींचती है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि हम साथ मिलकर इस रणनीतिक साझेदारी को एक नयी ऊंचाई पर ले जाएंगे।'

दीपावली से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की बोनस के बाद अब डीए बढ़ाने की तैयारी

लखनऊ। दीपावली से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 14.82 लाख अराजपत्रित कर्मचारियों को बोनस देने का ऐलान किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए घोषित यह बोनस मासिक परिलब्धियों की अधिकतम सीमा 7,000 रुपये के आधार पर 30 दिनों की परिलब्धियों के बराबर होगा। प्रत्येक कर्मचारी को लगभग 6,908 रुपये बोनस के रूप में मिलेंगे। सीएम की घोषणा के बाद वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने शासनादेश भी जारी कर दिया है।

किन्हें मिलेगा बोनस

यह लाभ उन सभी पूर्णकालिक अराजपत्रित कर्मचारियों को मिलेगा जिनका वेतन मैट्रिक्स लेवल-8 (47,600-1,51,100 रुपये) तक और ग्रेड वेतन 4,800 रुपये तक है। इसके अलावा यह सुविधा राज्य विभागों के कार्यप्रभारित, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी, राज्य निधि से सहायता प्राप्त शिक्षण एवं तकनीकी शिक्षण संस्थाओं, स्थानीय निकायों और जिला पंचायत कर्मचारियों को भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उज्ज्वला योजना का शुभारंभ करेंगे

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत महिला लाभार्थियों को वर्ष में दो बार निशुल्क रसोई गैस उपलब्ध कराये जाने की योजना का शुभारंभ करेंगे। इससे त्यौहारों के दौरान राज्य की एक करोड़ 86 लाख महिलाओं को राहत मिलेगी। नई योजना के तहत प्रत्येक वर्ष दो बार एलपीजी सिलेंडर निशुल्क भरा जायेगा। पहला चरण अक्टूबर से दिसंबर तक और दूसरा अगले वर्ष जनवरी से मार्च तक चलेगा। राज्य सरकार इस पर 1,500 करोड़ रुपये व्यय करेगी। पहले चरण में आधार पहचान से सत्यापित एक करोड़ 23 लाख महिलाएं लाभान्वित होंगी। उत्तर प्रदेश इस योजना को लागू करने वाला अग्रणी राज्य है। प्रदेश में एक करोड़ 86 लाख परिवारों को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है।

बिहार चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने उठाया कड़ा कदम, अब पार्टियों को देना होगा प्रचार का पूरा ब्योरा

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले चुनाव आयोग ने पारदर्शी और निष्पक्ष प्रचार सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। आयोग ने सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को निर्देश दिया है कि वे सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर जारी किए जाने वाले हर राजनीतिक विज्ञापन को पहले "मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमिटी" से मंजूरी दिलवाएं।

बिना इसके कोई भी विज्ञापन जारी नहीं किया जा सकेगा। इसके साथ ही उम्मीदवारों को अपने असली सोशल मीडिया अकाउंट्स की जानकारी नामांकन के समय देनी होगी, ताकि फर्जी अकाउंट्स और भ्रामक प्रचार पर नियंत्रण रखा जा सके।

इससे पहले चुनाव आयोग ने ईवीएम और वैविपिट मशीनों का रैंडमाइजेशन प्रक्रिया पूरी कर ली है। आयोग ने पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इस रैंडमाइजेशन की पूरी सूची सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ साझा की है। अधिकारियों के अनुसार, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए मशीनों का आवंटन अब तय हो गया है, और जल्द ही इन ईवीएम-वीवीपैट को सुरक्षित स्ट्रॉन्ग रूम में भेजा जाएगा।

अब बिना मंजूरी नहीं चलेंगे सोशल मीडिया विज्ञापन

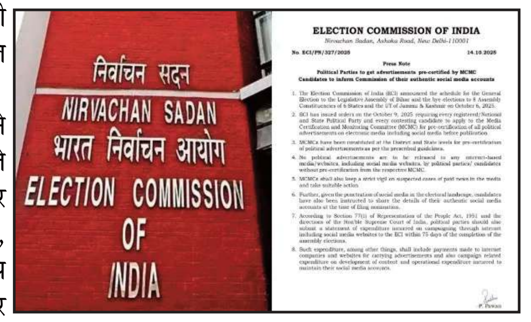

चुनाव आयोग ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि हर पंजीकृत राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय राजनीतिक दल और हर प्रत्याशी को अपने सभी राजनीतिक विज्ञापनों के लिए "मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमिटी" से पूर्व अनुमोदन लेना होगा। यह नियम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आधारित मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर चलाए जाने वाले विज्ञापनों पर भी लागू होगा।

आयोग के अनुसार, जिला और राज्य स्तर पर MCMC समितियां गठित की गई हैं, जो विज्ञापनों की पूर्व स्वीकृति और चुनावी प्रचार पर निगरानी रखेंगी। बिना अनुमति के कोई भी राजनीतिक विज्ञापन सोशल मीडिया या वेबसाइट पर प्रकाशित नहीं किया जा सकेगा।

पेड न्यूज पर भी कड़ी निगरानी

आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि टउटउ समितियां "पेड न्यूज" यानी भुगतान लेकर खबर चलाने जैसी गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखेंगी और यदि किसी उम्मीदवार या पार्टी की ओर से ऐसा कोई मामला पाया गया, तो उस पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

उम्मीदवारों को बताने होंगे अपने असली सोशल मीडिया अकाउंट

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए, चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों को निर्देश दिया है कि वे नामांकन दाखिल करते समय अपने सभी "प्रमाणिक (ऑथेंटिक)" सोशल मीडिया अकाउंट्स की जानकारी आयोग को दें। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनता और चुनाव अधिकारियों को पता रहे कि उम्मीदवार के असली अकाउंट कौन से हैं, ताकि फर्जी अकाउंट्स से फैलने वाली गलत सूचनाओं पर रोक लगाई जा सके।

ऑनलाइन प्रचार खर्च का ब्यौरा देना होगा

चुनाव आयोग ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77(1) और सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का हवाला देते हुए कहा है कि राजनीतिक दलों को चुनाव पूरा होने के 75 दिनों के भीतर इंटरनेट और सोशल मीडिया पर किए गए चुनावी खर्च का पूरा विवरण देना होगा।

इसमें शामिल होगा - इंटरनेट कंपनियों और वेबसाइटों को दिए गए विज्ञापन भुगतान, सोशल मीडिया पर प्रचार के लिए बनाए गए कंटेंट की लागत, सोशल मीडिया अकाउंट्स के संचालन में हुआ खर्च।

बिहार में बढ़ा सोशल मीडिया का प्रभाव, बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर सोशल मीडिया पर राजनीतिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं।

'लोहा लोहे को काटता है', जावेद अख्तर पर क्यों भड़के लोग?

(जीएनएस)।

गीतकार, पटकथा लेखक और शायर जावेद अख्तर इस वक्त सोशल मीडिया पर जबरदस्त रूप से ट्रोल हो रहे हैं। वजह है उनका एक बयान,जो उन्होंने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी पर दिया है। दरअसल उनको आमिर खान मुत्ताकी को दिया गया भव्य स्वागत पसंद नहीं आया और उन्होंने एक्स पर इसका गुस्सा निकाला।

उन्होंने ट्वीट किया कि 'दुनिया के सबसे खूंखार आतंकवादी समूह तालिबान के प्रतिनिधि को हर तरह के आतंकवादियों के खिलाफ मंच पर बोलने वालों द्वारा दिए गए सम्मान और स्वागत को देखकर मेरा सिर शर्म से झुक जाता है।'

'देवबंद को भी शर्म आनी चाहिए कि उसने अपने इस्लामिक हीरो का इतना सम्मानपूर्वक स्वागत किया, जो उन लोगों में से एक है जिन्होंने लड़कियों की शिक्षा पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। मेरे भारतीय भाइयों और बहनों!!! हमारे साथ क्या हो रहा है?'

आपको बता दें कि शनिवार को देवबंद मदरसा ने आमिर खान मुत्तकी का भव्य स्वागत किया था, जिसके लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। तालिबान नेता का स्वागत करने के लिए 15 प्रमुख उलेमाओं (इस्लामी विद्वानों) की सूची जारी की गई थी, और उनकी यात्रा के दिन पूरे क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू थी।

मदरसे के रेक्टर मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी ने स्वागत समारोह की निगरानी की और वरिष्ठ विद्वानों के साथ अफगान मंत्री का अभिवादन किया। इसके अतिरिक्त, अफगानिस्तान के नेता पर फूल भी बरसाए गए थे और कई छात्र उनके दल के साथ सेल्फी लेने के लिए भी बेकरार नजर आए।

लेकिन जावेद अख्तर की ये बात कुछ लोगों को पसंद नहीं आई और वो उन्हें जबरदस्त ढंग से ट्रोल करने लग गए। एक यूजर ने लिखा- 'आपने ही तो लिखा था शोले में कि लोहा लोहे को काटता है।' तो एक ने लिखा-क्या यह सिर्फ.तालिबान के बारे में है? हम अपने ही देश में महिलाओं के मस्जिदों में प्रवेश पर लगे प्रतिबंधों पर सवाल क्यों नहीं उठाते? अक्सर यही जवाब सुनने को मिलता है, 'यह हमारी परंपरा है।'

'लेकिन परंपरा कब तक उत्पीड़न का बहाना बनी रहेगी? 1866 में स्थापित देवबंद का इतिहास देखिए, यह मदरसा आज भी उसी विचारधारा पर आधारित है जिसने कभी तालिबान को प्रेरित किया था। लेकिन क्या हम सचमुच इस सच्चाई से आँखें मूंद सकते हैं? कुछ लोग तर्क देते हैं कि यह सब भू-राजनीति और निहित स्वार्थों का मामला है। ठीक है, लेकिन क्या स्वार्थों के नाम पर मानवता को कुचलना कभी जायज है?'

तो वहीं एक ने लिखा- 'आपको शर्म से सिर झुकाने का मन नहीं हुआ जब मुस्लिम महिलाओं को मस्जिदों में प्रवेश नहीं करने दिया गया, उन्हें बहुविवाह, बाल विवाह, खतना, तीन तलाक, मिस्यार निकाह और निकाह हलाला जैसी कुप्रथाओं का सामना करना पड़ा, जब छोटी लड़कियों की शादी अमीर अरबों से कर दी गई, जब बांग्लादेश या पश्चिम बंगाल में हिंदुओं का नरसंहार हुआ?' कुल मिलाकर इस वक्त जबरदस्त ढंग से जावेद अख्तर ट्रोल हो रहे हैं और लोग उनकी जमकर आलोचना कर रहे हैं।

महागठबंधन' में आज होगा सीट बंटवारे का ऐलान, तेजस्वी यादव करेंगे नामांकन

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति से लेकर गवर्नमेंट के बड़े फैसलों तक, विकास योजनाओं से लेकर जनता से जुड़े कार्यक्रमों तक- आज बिहार में क्या कुछ नया हो रहा है। पटना से लेकर गयाजी तक हर बड़ा अपडेट आपको यहां मिलेगा।

'महागठबंधन' में आज होगा सीट बंटवारे का ऐलान

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी महागठबंधन के घटक दल सीट के बंटवारे को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने मंगलवार को बताया कि सीट बंटवारे का ऐलान 15 अक्टूबर की सुबह तक किया जा सकता है।

दुबे ने भारतीय जनता पार्टी की तरफ से अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी किए जाने पर दावा किया कि इससे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के भीतर "घमासान" का संकेत मिलता है।

राघोपुर सीट से चुनाव लड़ेंगे तेजस्वी यादव

राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपने चुनावी मैदान का ऐलान कर दिया है। वह एक बार फिर अपनी पारंपरिक राघोपुर सीट से चुनाव लड़ेंगे। तेजस्वी यादव 15 अक्टूबर को नामांकन करेंगे। उनके समर्थकों ने सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी कर लोगों से नामांकन समारोह में शामिल होने की अपील की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अक्टूबर को 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' अभियान के तहत बिहार के बूथ स्तर के पार्टी कार्यकताओं के साथ बात करेंगे और आगामी विधानसभा चुनावों से पहले उनके सुझाव सुनेंगे। यह अभियान स्थानीय या बूथ स्तर पर पार्टी के संबंधों को मजबूत करने का एक इंटरैक्टिव आउटरीच अभियान है।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि ऐसे समर्पित कार्यकताओं से बातचीत करने से हमेशा नई प्रेरणा मिलती है और उन्होंने कार्यकताओं को अभियान से जुड़ने और सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया है।

बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा भी 15 अक्टूबर को लखीसराय विधानसभा सीट से नामांकन करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने एक बार फिर इस सीट पर सिन्हा के चेहरे पर भरोसा जताया है। वह यहां से लगातार तीन बार के विधायक हैं और कुल चार बार चुनाव जीत चुके हैं। वे पांचवीं जीत की तैयारी के साथ मैदान में उतरेंगे।

चुनाव कार्यक्रम

बिहार की 243 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए विधानसभा चुनाव 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होंगे। मतगणना 14 नवंबर को होगी। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए (जिसमें जनता दल (यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं) का सीधा मुकाबला राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन (जिसमें कांग्रेस, वामपंथी दल और छोटे संगठन शामिल हैं) से है।

सम्पादकीय

हरियाणा पुलिस में असहजता!

हरियाणा के चंडीगढ़ में आईपीएस अधिकारी वाई पूरन वुमार के आत्महत्या मामले में नया ट्विस्ट आ गया है क्योंकि इस मामले की जांच कर रहे एक सहायक सब इंस्पेक्टर (एएसआई) ने भी खुद को गोली मार कर जान दे दी। चौंकाने वाली बात यह है कि आत्महत्या करने वाले एएसआई संदीप वुमार ने अपनी आत्महत्या के पहले लिखे नोट और वीडियो में मृत आईपीएस पूरन वुमार पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें अत्यन्त भ्रष्ट और फरेबी बताया है।

दरअसल पूरन वुमार ने 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ में अपने आवास पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी और सुसाइड नोट में राज्य के पुलिस महानिदेशक और रोहतक के पूर्व पुलिस अधीक्षक पर उन्हें प्राताड़ित करने का आरोप लगाया था। पूरन वुमार के आरोप से हरियाणा की राजनीति में हंगामा होना स्वाभाविक था क्योंकि वह अनुसूचित जाति के थे। इस बात का अनुमान बड़ी ही आसानी से लगाया जाने लगा कि पूरन वुमार जिस जाति के थे, उस समाज पर हरियाणा में अत्याचार होना सामान्य बात है। लेकिन संदीप वुमार ने मंगलवार को आत्महत्या करके यह बताने की कोशिश की है कि पूरन वुमार ने जो आरोप दूसरे वरिष्ठ अधिकारियों पर लगाए हैं, वह दुराचरण वह खुद ही करते थे। संदीप वुमार अनुसूचित जाति के नहीं थे, इसलिए उन्हें पूरन वुमार द्वारा अपने जाति विशेष का दुरुपयोग करना और कनिष्ठ पुलिस अधिकारियों को परेशान करना, बहुत बुरा लगा। संदीप ने अपने सुसाइड नोट और वीडियो संदेश में कहा है कि पूरन वुमार अपनी जाति को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करके अपने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को ब्लैकमेल व प्राताड़ित करते थे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या संदीप वुमार को अपनी बात कहने यानि पूरन वुमार की सच्चाई बताने के लिए अपनी जान देने का तरीका अपनाना उचित था? इस सवाल का जवाब तो समाज अपने- अपने तरीके से ही देगा किन्तु संदीप वुमार ने अपनी आत्महत्या नोट और वीडियो संदेश के माध्यम से अपनी आत्महत्या के औचित्य को साबित करने के लिए अपना तर्व भी दिया है। उनका कहना है कि पूरन वुमार की हकीकत सामने लाने के लिए ही वह अपनी जान देकर लोगों को बताना चाहते हैं कि वह (पूरन वुमार) अत्यन्त भ्रष्ट और फरेबी आईपीएस अधिकारी थे।

सच तो यह है कि जहां पूरन वुमार के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने राज्य के पुलिस प्रामुख को अवकाश पर भेज दिया वहीं उसने इस मामले की जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया किन्तु ठीक एक सप्ताह बाद ही एक एएसआई की आत्महत्या ने ऐसी सनसनी पैदा की कि लगता है राज्य के पुलिस विभाग में इस तरह की बीमारी घातक और असाध्य बन चुकी है। राज्य सरकार को चाहिए कि राज्य के पुलिस तंत्र की पूरी तरह सफाई करें अन्यथा पूरन वुमार और संदीप वुमार की आत्महत्याओं की पुनरावृत्ति हो सकती है। राज्य सरकारें अपने पुलिस विभाग में जिम्मेदारी सुनिाित करने के लिए दूसरे राज्य के वैडर के किसी ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ आईपीएस अधिकारी को डीजीपी का दायित्व सौंपते हैं जो पक्षपात के बिना निर्णय लेकर पुलिस विभाग में पारदर्शिता लाएं।

यदि राज्य सरकार दूसरे राज्य के वैडर से वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को अपने राज्य के आईपीएस अधिकारियों की नाराजगी के डर से डीजीपी नहीं बनाना चाहती तो उसे कम से कम हरियाणा वैडर के किसी ऐसे आईपीएस अधिकारी को डीजीपी बनाना चाहिए जो वेंद्रीय अर्धसैनिक बलों, वेंद्रीय खुफिया तंत्र या राज्य से बाहर किसी सेवा में कार्यरत हों।

बहरहाल, अब सरकार आत्महत्या की दो घटनाओं के बाद पुलिस विभाग को भगवान भरोसे नहीं छोड़ सकती। जो भी तरीका प्राशासनिक सुधार के विशेषज्ञ दें, वह तरीका अपना कर समय रहते पुलिस विभाग के भीतर व्याप्त असहजता को खत्म करने की कोशिश करें।

कौन है एशले टेलिस? चीन लिंक और 'टॉप सीक्रेट' फाइलों से मचा अमेरिकी खुफिया महकमे में हड़कंप!

भारतीय मूल के अमेरिका के एक फॉरेन पॉलिसी एक्सपर्ट और दक्षिण एशिया मामलों के लंबे समय से सलाहकार रहे एशले टेलिस को गोपनीय दस्तावेजों को गैरकानूनी ढंग से रखने और चीनी सरकारी अधिकारियों से कथित तौर पर मुलाकात करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। न्याय विभाग ने 64 वर्षीय टेलिस पर राष्ट्रीय रक्षा जानकारी गैरकानूनी रूप से रखने का आरोप लगाया है।

एफबीआई के हलफनामे के अनुसार, वर्जीनिया स्थित टेलिस के घर की तलाशी में 1,000 से ज्यादा पन्नों के 'टॉप सीक्रेट' और 'सीक्रेट' डॉक्यूमेंट बरामद हुए। ये दस्तावेज उनके घर में कई जगह-बंद कैबिनेट, बेसमेंट के डेस्क और यहां तक कि काले कूड़े के बैगों में भी-बिखरे मिले।

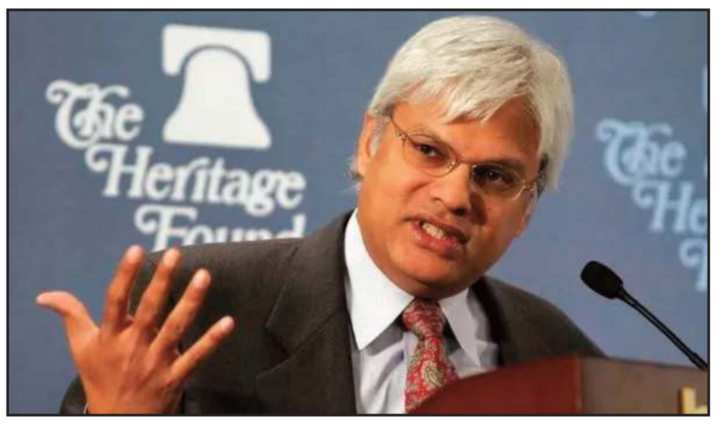

चीन से संदिग्ध मुलाकातें: सरकारी वकील का आरोप है कि टेलिस ने पिछले कुछ सालों में कई बार चीनी सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की।

सितंबर 2025 में वर्जीनिया के एक रेस्तरां में हुई एक मुलाकात में उन्हें एक मनीला लिफाफा ले जाते देखा गया, जो बाहर निकलने पर उनके पास नहीं था।

अप्रैल 2023 के एक डिनर में, उन्हें चीनी अधिकारियों के साथ ईरान-चीन संबंधों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उभरती तकनीकों पर चर्चा करते सुना गया था।

एक मुलाकात कथित तौर पर 'गिफ्ट बैग' के आदान-प्रदान के साथ समाप्त हुई थी।

राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लंघन: कोर्ट रिकॉर्ड्स के अनुसार, टेलिस ने सितंबर और अक्टूबर 2025 में रक्षा और विदेश विभाग के भवनों से क्लासिफाइड सामग्री निकाली और प्रिंट की, जिसमें अमेरिकी सैन्य विमानों की क्षमताओं से जुड़ी फाइलें शामिल थीं।

कौन है भारतीय मूल का एशले टेलिस?

टेलिस का जन्म मुंबई में हुआ था। उन्होंने सेंट जेवियर्स कॉलेज से पढ़ाई की और बाद में शिकागो विश्वविद्यालय से पीएचडी हासिल की।

करियर: वह अमेरिका-भारत संबंधों पर एक सम्मानित आवाज माने जाते हैं। उन्होंने राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में काम किया और वह अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु समझौते के प्रमुख वातार्कारों में शामिल थे।

वर्तमान पद: गिरफ्तारी के समय वह वाशिंगटन थिंक टैंक कानेर्गी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस में सीनियर फेलो और 'टाटा चेयर फॉर स्ट्रैटेजिक अफेयर्स' के पद पर थे। इसके अलावा, वह पेंटागन के ठेकेदार और विदेश विभाग के अवैतनिक सलाहकार भी थे।

आगे की कार्रवाई

अमेरिकी अटॉर्नी लिंडसे हैलिगन ने कहा है कि ये आरोप अमेरिकी सुरक्षा के लिए 'गंभीर खतरा' पैदा करते हैं। टेलिस पर राष्ट्रीय रक्षा जानकारी गैरकानूनी ढंग से रखने का आरोप है और अगर वह दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 10 साल तक की जेल और 250,000 का जुमार्ना हो सकता है। इस मामले पर न तो कानेर्गी एंडोमेंट ने और न ही उनके वकील ने कोई टिप्पणी की है।

कौन हैं बिहार के 3 सबसे अमीर विधायक? पहले और दूसरे नंबर पर हैं महिला नेता

बिहार चुनाव 2025 की सरगर्मी बढ़ चुकी है और इस बीच एक रिपोर्ट ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (अऊफ्र) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार विधानसभा के 80 प्रतिशत से ज्यादा विधायक करोड़पति हैं। यानी जो नेता जनता की सेवा का दावा करते हैं, उनकी जेबें पहले से ही नोटों से भरी पड़ी हैं। बिहार के मौजूदा विधायकों की औसतन संपत्ति करीब ₹4.65 करोड़ है। इसमें सबसे आगे हैं जेडीयू के विधायक, जिनकी औसतन संपत्ति ₹7.08 करोड़ है।

कांग्रेस के विधायकों की औसतन संपत्ति ₹5.57 करोड़, आरजेडी की ₹5.21 करोड़, और बीजेपी की ₹3.51 करोड़ बताई गई है। वामदलों की स्थिति बिलकुल अलग है, सीपीआई(एमएल) के विधायकों की औसतन संपत्ति महज ₹43 लाख है, जो सत्ता पक्ष के विधायकों की तुलना में कई गुना कम है। दिलचस्प बात यह है कि राज्य के तीन सबसे अमीर विधायकों में दो महिलाएं शामिल हैं और दोनों जेडीयू (खऊ-व) से हैं। आइए जानते हैं, कौन हैं ये नेता और कितनी है इनकी दौलत।

नीलम देवी -80 करोड़ से ज्यादा की मालकिन

मोकामा से जेडीयू विधायक नीलम देवी इस वक्त बिहार की सबसे अमीर विधायक हैं। 2022 में उपचुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची नीलम देवी ने अपने चुनावी हलफनामे में करीब 80 करोड़ 43 लाख रुपये की कुल संपत्ति घोषित की थी। इसमें करीब 29.8 करोड़ रुपये चल संपत्ति (जैसे बैंक बैलेंस, ज्वेलरी, वाहन आदि) और 50.6 करोड़ रुपये अचल संपत्ति (जमीन-जायदाद, मकान, प्लॉट आदि) शामिल हैं।

मोकामा सीट पहले उनके पति अनंत सिंह के नाम से जानी जाती थी। अब नीलम देवी उसी विरासत को आगे बढ़ा रही हैं और वित्तीय ताकत के मामले में बिहार की राजनीति में सबसे ऊपर खड़ी हैं।

नीलम देवी कुल संपत्ति: 80,43,11,313 रुपये

चल संपत्ति: 29,80,61,313 रुपये

अचल संपत्ति: 50,62,50,000 रुपये

मनोरमा देवी -72 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति

बिहार की दूसरी सबसे अमीर विधायक भी महिला हैं, मनोरमा देवी, जो गया जिले की बेलागंज सीट से जेडीयू की विधायक हैं। 2024 के उपचुनाव में जीतने के बाद उन्होंने अपने हलफनामे में 72 करोड़ 88 लाख रुपये की संपत्ति घोषित की थी।

मनोरमा देवी की चल संपत्ति करीब 9.58 करोड़ रुपये, जबकि अचल संपत्ति 63.3 करोड़ रुपये है। यानी बिहार की राजनीति में महिलाओं

ने न सिर्फ सशक्त उपस्थिति दर्ज की है, बल्कि संपत्ति के मामले में पुरुष नेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है।

मनोरमा देवी कुल संपत्ति: 72,88,75,956 रुपये

चल संपत्ति: 9,58,75,956 रुपये

अचल संपत्ति: 63,30,00,000 रुपये

अजीत शर्मा -43 करोड़ रुपये के मालिक

तीसरे नंबर पर हैं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और भागलपुर से विधायक अजीत शर्मा। एक बिजनेसमैन से नेता बने अजीत शर्मा की कुल संपत्ति करीब 43 करोड़ 27 लाख रुपये है।

उनकी चल संपत्ति करीब 4.9 करोड़ रुपये और अचल संपत्ति 38.3 करोड़ रुपये बताई गई है। अजीत शर्मा बिहार कांग्रेस के उन गिने-चुने चेहरों में से हैं जिनका आर्थिक ग्राफ पार्टी की सियासी गिरावट के बावजूद लगातार ऊंचा रहा है।

अजीत शर्मा कुल संपत्ति: 43,27,91,009 रुपये

चल संपत्ति: 4,90,41,009 रुपये

अचल संपत्ति:38,37,50,000 रुपये

कौन हैं बिहार के तीन सबसे गरीब विधायक

जहां एक ओर करोड़ों की संपत्ति वाले विधायक हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ नेता ऐसे भी हैं जिनकी कुल संपत्ति सुनकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है।

- रामवृक्ष सादा अलौली की कुल संपत्ति सिर्फ ₹70,000 है।
- गोपाल रविदास फुलवारी) के पास ₹1.59 लाख की संपत्ति है।
- संदीप सौरव पालीगंज) ने ₹3.45 लाख की संपत्ति घोषित की है।

इन आंकड़ों से साफ है कि सत्ता के गलियारों में जहां कुछ चेहरे लग्जरी कारों और करोड़ों की जमीनों के मालिक हैं, वहीं कुछ अब भी साइकिल या बस से जनता तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

बिहार की विधानसभा में 'करोड़पति क्लब'

अऊफ्र की रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार के कुल 241 वर्तमान विधायकों में से 194 विधायक करोड़पति हैं। यानी विधानसभा का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा ऐसे नेताओं से भरा है जिनकी घोषित संपत्ति एक करोड़ रुपये से अधिक है।

अगर पार्टियों के हिसाब से देखें तो-

RJD के 88% विधायक करोड़पति हैं

JD(U) के 83%, BJP के 87%,

जबकि कांग्रेस के 76% विधायक करोड़पति हैं। यह आंकड़ा बताता है कि बिहार की राजनीति में अब गरीब घर से आने वाले नेताओं की संख्या बेहद कम रह गई है।

फ्लिपकार्ट के बिग बैंग दिवाली सेल में मोटोरोला स्मार्टफोन्स पर छूट की घोषणा

लखनऊ। मोटोरोला, मोबाइल टेक नोलॉजी में ग्लोबल लीडर और भारत के सबसे भरोसेमंद आई स्मार्टफोन ब्रांड, ने फ्लिपकार्ट की बिग बैंग दिवाली सेल 2025 के लिए अपने सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन्स पर भारी छूट की घोषणा की है। यह छूट विभिन्न मूल्य समूहों में उपलब्ध हैं। बिग बैंग दीवाली सेल के तहत, मोटोरोला अपने नवीनतम एआई, पैंटोन डिजाइन और टिकाऊपन में किए गए इनोवेशन को अविश वसनीय कीमतों में लाखों ग्राहकों तक पहुंचा रहा है। ये डिवाइस सेल के दौरान उपलब्ध हैं और बिग बैंग दिवाली सेल के दौरान सभी उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध रहेंगे।सीजन के सबसे बड़े ऑफर से शुरू करते हुए मोटोरोला एज 60 प्रो (8 प्लस 256जीबी मॉडल) जो खुदरा मूल्य 29,999 रुपये पर बिकता है, अब त्योहारी प्रभावी मूल्य केवल 24,999 रुपये पर प्राप्त किया जा सकता है, यह 25 हजार रुपये के तहत सबसे महत वपूर्ण स मार्टफोन हो गया है। मोटोरोला एज 60 प्रो ने अपने सेगमेंट को नए अंदाज में पेश किया है, जिसमें एकमात्र पैंटोन प्रमाणित ट्रिपल 50 एमपी कैमरा सिस्टम है,जो सोनी एलवाईटीआईए 700सी मुख्य सेंसर, 50एमपी अल्ट्रावाइड प्लस मैक्रो, और 10एमपी टेलीफोटो के साथ 3एक्स ऑप्टिकल और50एक्स एआई सुपर जूमसे संचालित है। मोटोएआई, गूगल जेमिनी, माइक्रोसॉफ्ट कोपिलट और परप्लेक्सिटी के साथ, यह प्रोफेशनल-ग्रेड फोटो और 4के वीडियो सुनिश्चित

करता है, जो एआई स्टेबलाइजेशन,फोटो एन्हांसर, और गूगल फोटोज टूल्स जैसे मैजिक इरेजर और अनब्लर से बढ़ाया गया है। इसमें दुनिया का सबसे टिकाऊ 6.7 इंच 1.5 के टू कलर क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले है, जिसमें 4500 निट्स की ब्राइटनेस, एचडीआर 10 प्लस, और गोरिल्ला ग्लास7आई प्रोटेक्शन है। मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8350 एक्सट्रीम चिपसेट पर चलने वाला, जिसमें 16 जीबी तक एलपीडीडीआर 5 एक्स रैम है, यह 6000 एमएएच डीएक्सओमार्क गोल्ड-रेटेड बैटरी द्वारा समर्थित है,जो 90 डब्ल्यू टबोर्पावर फास्ट चार्जिंग, 15 डब्ल्यू वायरलेस चार्जिंग और रिवर्स चार्जिंग को सपोर्ट करता है। आईपी68/आईपी69 प्रोटेक्शन और एमआईएल-एसटीडी-810 एच सर्टिफिकेशन के साथ, यह लंबे समय तक चलने के लिए बनाया गया है, और चार प्रीमियम पैंटोन फिनिश में आता है- डैजलिंग ब्लू (फैब्रिक फिनिश), वॉलनट (वुड फिनिश), शैडो, और स्पार्कलिंग ग्रेप(वीगन लेदर फिनिश)। सबसे पसंदीदा 8जीबी वैरिएंट के अलावा, इस त्योहारी सीजन में, मोटोरोला एज 60 प्रो 28,999' रुपये (12 प्लस 256 जीबी) और 32,999' रुपये (16 प्लस 512 जीबी) पर भी उपलब्ध है, जो 33,999 रुपये और 37,999 रुपये से कम है। मोटोरोला एज 60 फ्यूजन स्टाइल, मजबूती और आधुनिक एआई तकनीक का शानदार मिश्रण है। यह फ्लिपकार्ट की बिग बैंग दिवाली सेल 2025 में खास छूट के साथ उपलब्ध है, जिसमें 8जीबी प्लस 256 जीबी मॉडल 18,999' रुपये और 12 जीबी प्लस 256 जीबी मॉडल 20,999' रुपये में मिल रहा है। इसमें 6.7इंच का 1.5के टू कलर क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले है, जो दुनिया का सबसे शानदार डिस्प्ले है। यह पैंटोन सर्टिफाइड है, 4500 निट्स की चमक देता है, आँखों की सुरक्षा के लिए एसजीएस सर्टिफिकेशन और गोरिल्ला ग्लास 7आई प्रोटेक्शन के साथ आता है। इसका 96.3 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बॉडी रेशियो और स्मार्ट वाटर टच 3.0 स्क्रीन को बहुत स्मूथ और साफ बनाता है। कैमरा सिस्टम में सेगमेंट का पहला 100 प्रतिशत ट्रूकॉलर सोनी एलवाईटीआईए 700सी सेंसर है, साथ में 13एमपी अल्ट्रावाइड $ मैक्रो लेंस और 32एमपी सेल्फी कैमरा है, जो 4के वीडियो रिकॉर्ड कर सकता है। मोटो आई और गूगल एआई टूल्स की मदद से यह एआई मैजिकइरेजर, फोटो अनब्लर, एआई स्टेबलाइजेशनऔर डुअल कैप्चर जैसे फीचर्स देता है, जिससे आप कहीं भी शानदार फोटो और वीडियो बना सकते हैं। यह फोन आईपी68/आईपी69वाटर और डस्ट प्रोटेक्शन के साथ आता है और एमआईएल-एसटीडी-810एच सर्टिफिकेशन की वजह से बहुत मजबूत है। मोटोरोला एज 60 फ्यूजन अमेजोनाइट, मायकोनोसब्लू, स्लिपस्ट्रीम और जेफायर जैसे पैंटोन-क्यूरेटेड रंगोंमें उपलब्ध है, जिसमें प्रीमियम वीगन लेदर डिजाइन है।

फेदरलाइट ने लखनऊ में शुरू किया पहला एक्सक्लूसिव एजुकेशन फर्नीचर एक्सपीरियंस सेंटर

लखनऊ, 14 अक्टूबर 2025। भारत में कार्यस्थल और शिक्षा फर्नीचर समाधान के क्षेत्र में अग्रणी और विश्वसनीय नामों में से एक फेदरलाइट ने आज लखनऊ में अपने पहले एक्सक्लूसिव एजुकेशन फर्नीचर एक्सपीरियंस सेंटर का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया।

इस सेंटर को शिक्षकों, प्रशासकों और प्रोक्योरमेंट टीमों को आधुनिक शिक्षा फर्नीचर समाधानों के बारे में जानने के लिए एक व्यावहारिक वातावरण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में तेजकुमार प्लाजा, 75 हजरतगंजझ 226001 के द्वितीय तल पर स्थित यह एक्सपीरियंस सेंटर फेदरलाइट की शिक्षा क्षेत्र के लिए समर्पित नवीनतम रेंज को प्रदर्शित करता है-— जिसमें तकनीक-सक्षम क्लासरूम फर्नीचर और गतिशील और सहभागितापूर्ण शिक्षण व्यवस्था, प्रयोगशाला बेंच, लाइब्रेरी सिस्टम, ऑडिटोरियम

सीटिंग, और टिकाऊ हॉस्टल फर्नीचर शामिल हैं।

प्रत्येक उत्पाद को आराम, कार्यक्षमता और दीर्घकालिक प्रदर्शन को बढ़ाने के उद्देश्य से इस तरह डिजाइन किया गया है, ताकि आधुनिक कॉलेज और विश्वविद्यालय लचीले एवं प्रेरक शिक्षण वातावरण का निर्माण कर सकें।

इस सेंटर में निर्णयकर्ता वास्तविक क्लासरूम सेटअप का अनुभव कर सकते है, एर्गोनॉमिक्स और टिकाऊपन की जांच कर सकते है तथा यह समझने का अवसर प्रदान करते है कि किस प्रकार नवीन फर्नीचर समाधान शिक्षण परिणामों को बेहतर बना सकते हैं।

सेंटर का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री विशाल सिंह, विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार एवं निदेशक, सूचना एवं संस्कृति विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर उनके साथ श्री अदित जशनानी, निदेशक, मोमेंटम टेकसिस प्राइवेट लिमिटेड तथा सुश्री कश्वी जशनानी, निदेशक, मोमेंटम टेकसिस प्राइवेट लिमिटेड भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन के अवसर पर श्री ज्ञानेंद्र सिंह परिहार, बिजनेस हेड झ फेदरलाइट ने कहा, 'अपने नए एक्सपीरियंस सेंटर के माध्यम से हमारा उद्देश्य लखनऊ और पूरे उत्तर प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे उच्च शिक्षा तंत्र को और बेहतर सेवाएं प्रदान करना है।

श्वेता तिवारी ने भड़काई ऐसी चिंगारी, 17 साल बाद रोनित रॉय संग सरेआम किया 'ये सब', वीडियो ने मचाया हंगामा

टीवी से लेकर भोजपुरी इंडस्ट्री तक में अपनी दमदार एक्टिंग और खूबसूरती का जलवा बिखेरने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी का ग्लैमर देखकर हर कोई हैरान हो जाता है। 44 की उम्र में भी श्वेता तिवारी अपने हुस्न के जादू से लोगों को दीवाना बना रही हैं।

श्वेता तिवारी की 2 दर्दनाक शादियां, आपको बता दें कि श्वेता तिवारी की दो शादियां हुई थीं और दोनों ही काफी दर्दनाक साबित हुई हैं। फिलहाल वह सिंगल मदर बनकर जिंदगी काट रही हैं। 44 साल की उम्र में श्वेता तिवारी 4 बच्चों (एक बेटी और एक बेटे) की मां हैं।

'कसौटी जिंदगी की' में नजर आई थीं श्वेता तिवारी

श्वेता तिवारी ने टीवी इंडस्ट्री से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की थी। श्वेता तिवारी सबसे पहले टीवी के फेमस सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' में लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर

आई थीं। इस सीरियल में उनके साथ रोनित रॉय और सीजेन खान नजर आए थे।

पैसों के लिए श्वेता तिवारी की बेटी पलक करती हैं ऐसा काम, खुद मां तय करती हैं कीमत, क्या है इसके पीछे की वजह?

पैसों के लिए श्वेता तिवारी की बेटी पलक करती हैं ऐसा काम, खुद मां तय करती हैं कीमत, क्या है इसके पीछे की वजह? स्टार परिवार अवाड्र्स के 25 साल पूरे

-वहीं इस साल स्टार परिवार अवाड्र्स का मंच बेहद खास रहा क्योंकि इसने पूरे 25 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके को और यादगार बना दिया टेलीविजन की सबसे आइकॉनिक जोड़ियों में से एक, श्वेता तिवारी और रोनित रॉय ने।

-श्वेता तिवारी और रोनित रॉय ने सालों बाद अपने सुपरहिट शो 'कसौटी जिंदगी की' के टाइटल ट्रैक 'चाहत के सफर में' पर एक बार फिर से साथ परफॉर्म किया, जिसने फैंस को पुरानी यादों में डूबो दिया।

श्वेता तिवारी और रोनित रॉय की परफॉर्मेंस, -स्टार प्लस के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किए गए वीडियो में श्वेता तिवारी लाल रंग के खूबसूरत गाउन में नजर आ रही हैं।

कलर्स का नयनतारा पहुँचा डरावने चरम पर, नयनतारा ने भूत चतुर्दशी पर शाओली को हमेशा के लिए खत्म करने की खाई कसम

प्यारभरा आशीर्वाद देने वाला लाल सिंदूर अब एक भयावह खेल की शुरूआत का प्रतीक बन चुका है, जहाँ ज़िंदगी और मौत के बीच बस एक धागे का सहारा है। कलर्स के शो ह्यनयनताराह्व में शीर्ष भूमिका में श्रुति बिष्ट हैं और उनके पति सुरजो का किरदार निभा रहे हैं अर्जुन चक्रवर्ती। अब यह शो अपनी सबसे सिहरन पैदा करने वाली कहानी की ओर बढ़ चुका है। भव्य सिंदूर खेला एक खौफनाक मोड़ लेता है, जब सुरजो की पूर्व मंगेतर शाओली, नयनतारा के पानी में नशा मिलाकर उसे माँ दुर्गा की मूर्ति से बाँध देती है ताकि वह डूब जाए। विजय का पर्व नयनतारा की ज़िंदगी का सबसे अंधकारमय मोड़ बन जाता

है। जो पल उसकी खुशी का होना चाहिए था, वह उसकी ज़िंदगी और मौत की जंग में बदल जाता है।

लेकिन नयनतारा इतनी आसानी से टूटने वाली नहीं। अपने दिव्य अस्त्र-शस्त्र के साथ वह हालात पलट देती है और शाओली को मंदिर के गर्भगृह तक खींचकर देवताओं की दृष्टि से अंकित दीवारों में कैद कर देती है। पवित्र स्थान का हर कोना इस घातक टकराहट का गवाह बनता है। गुस्से से भरी नयनतारा शपथ लेती है कि वह शाओली के शरीर का नाश करेगी और भूत चतुर्दशी की रात उसकी आत्मा को वापस दूसरे लोक में भेज देगी। जैसे-जैसे श्रापित रात करीब आती है, मंदिर पर एक सिहरन पैदा करने वाला सवाल मंडराने लगता है—क्या नयनतारा की प्रतिज्ञा सचमुच शाओली का अंत कर पाएगी? क्या शाओली नयनतारा के प्रहार से बच पाएगी? एक घातक रहस्य ऐसा भी है, जो शिकारी को ही शिकार बना सकता है, और यही हमें अधर पर छोड़ देगा। मंच सज चुका है, बहुत कुछ दांव पर है, और यह रात नयनतारा की ज़िंदगी में ऐसे खुलासे लाएगी, जिनकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

देखिए नयनतारा रोजाना रात 8:30 बजे, सिर्फ कलर्स पर

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच चलाएगी साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09726 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 14:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:50 बजे जयपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 अक्टूबर से 30 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09725 जयपुर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार को जयपुर से 16:05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर और किशनगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या की 09726 की बुकिंग 15 अक्टूबर, 2025 सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे के 12 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता, अपर महाप्रबंधक, प्रमुख विभागाध्यक्षों तथा महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार प्राप्तकताओं के साथ दिखाई दे रहे हैं।

मुंबई, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पश्चिम रेलवे मुख्यालय, मुंबई में 12 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया, जिनके योगदान से सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित हो सका। ये कर्मचारी अगस्त एवं सितंबर, 2025 के दौरान ड्यूटी में सतर्कता बरतते हुए किसी भी अप्रिय घटना को टालने में सफल रहे। इन 12 कर्मचारियों में मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, रतलाम, अहमदाबाद, राजकोट एवं भावनगर मंडल से दो-दो कर्मचारी शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्री गुप्ता ने पुरस्कृत कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शित सतर्कता की सराहना की और कहा कि वे दूसरों के लिए अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत करते हैं। इन कर्मचारियों ने संरक्षा के विविध क्षेत्रों जैसे धुएँ और चिंगारियों का पता लगाने, टूटे हुए कपलर बॉडी, वैगनों में लटकते पुर्जों, ब्रेक बाइंडिंग आदि का पता लगाकर ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण दिखाई।

पश्चिम रेलवे को इन सभी कर्मचारियों पर गर्व है, जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को समय रहते रोकने में सहायता की।

महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे ने अहमदाबाद मंडल के दो कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया

रेलवे संचालन में संरक्षा सर्वोपरि होती है और इसे सुनिश्चित करने में प्रत्येक कर्मचारी की सजगता एवं तत्परता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने अहमदाबाद मंडल के दो कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य एवं संरक्षा के प्रति समर्पण के लिए संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। ये पुरस्कार सितंबर 2025 के दौरान ड्यूटी के समय सतर्कता दिखाने एवं संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रदान किए गए।

दिनांक 20 सितंबर 2025 को स्टेशन मास्टर श्री अजय कुमार जैसवाल साबरमती स्टेशन पर 22:00 से 06:00 बजे की पारी में ड्यूटी पर कार्यरत थे। जब ट्रेन डाउन दिशा में 04:50 बजे स्टेशन से होकर गुजर रही थी। ऑल राइट एक्सचेंज के दौरान श्री जैसवाल ने गाड़ी के रियर लोको संख्या 70572 में आग की लपटें देखीं। उन्होंने तत्काल अपनी सजगता का परिचय देते हुए लोको पायलट को खतरे का लाल संकेत दिखाया, जिसके परिणामस्वरूप लोको पायलट ने डाउन स्टार्टर 5-39 से पहले ही ट्रेन को रोक लिया। निरीक्षण करने पर पाया गया कि ब्रेक ब्लॉक जाम हो गया था जिससे अधिक गर्मी के कारण आग लग गई थी। लोको पायलट द्वारा ब्रेक ब्लॉक को रिलीज कर स्थिति को नियंत्रित किया गया तथा 05:15 बजे लोको को फिट घोषित किया गया। श्री जैसवाल की समय पर की गई कार्रवाई और सतर्कता से एक संभावित दुर्घटना को टाला जा सका और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

इसी प्रकार, श्री अरविंद पटेल, जो एक पूर्व सैनिक हैं, पालनपुर खंड में समपार फाटक संख्या 31, 35 और 36 पर आरजी गेटमैन के रूप में कार्यरत हैं। दिनांक 02 सितंबर 2025 को वे समपार फाटक संख्या 35 'C' पर ड्यूटी कर रहे थे। उसी समय पालनपुरझ्र भीलड़ी खंड में अप लाइन पर मालगाड़ी 16:22 बजे फाटक से पास हुई। गाड़ी के दो भारी ट्रेन पार्ट्स टूटकर लटकते हुए आए और समपार फाटक के चेक रेल में लगे लकड़ी के गुटके से टकराकर फाटक पर गिर गए। श्री पटेल ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (रेलपथ) प्रभारी श्री शिवराज सिंह को सूचना दी। तत्पश्चात उन्होंने यह जानकारी कंट्रोल, टीआई-PNU एवं इछउ्क्र ऊ्ठ (N) ADI तथा ADEN-PNU को दी। चंडीसर स्टेशन पर ट्रेन को रुकवाकर उ&ह विभाग द्वारा निरीक्षण कराया गया, जिसमें दोषयुक्त डब्बे को आइसोलेट कर गाड़ी को सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाया गया। श्री अरविंद पटेल की त्वरित सूचना एवं सतर्कता के कारण संभावित दुर्घटना को समय रहते रोका जा सका।

पश्चिम रेलवे को अपने ऐसे कर्तव्यनिष्ठ एवं सजग कर्मचारियों पर गर्व है, जो अपने समर्पण, अनुशासन और त्वरित निर्णय क्षमता से रेलवे की संरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ बनाते हैं।

प्रतापनगर से कटिहार एवं जयनगर के लिए अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

वडोदरा मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से प्रतापनगर-कटिहार एवं प्रतापनगर-जयनगर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाईगी।

1. ट्रेन संख्या 09123/09124 प्रतापनगर-कटिहार (साप्ताहिक) अनारक्षित स्पेशल [04 फेरे]

ट्रेन संख्या 09123 प्रतापनगर-कटिहार साप्ताहिक अनारक्षित स्पेशल बुधवार, 15 और 22 अक्टूबर, 2025 को 16:30 बजे प्रतापनगर से प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 07:15 बजे कटिहार पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09124 कटिहार - प्रतापनगर साप्ताहिक अनारक्षित स्पेशल शुक्रवार, 17 और 24 अक्टूबर, 2025 को 11:15 बजे कटिहार से प्रस्थान करेगी और रविवार को 02:30 बजे प्रतापनगर पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी और खगड़िया स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09151/09152 प्रतापनगर-जयनगर अनारक्षित स्पेशल (साप्ताहिक) [04 फेरे]

ट्रेन संख्या 09151 प्रतापनगर - जयनगर स्पेशल रविवार, 19 और 26 अक्टूबर 2025 को 16:35 बजे प्रतापनगर से प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 10:00 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09152 जयनगर - प्रतापनगर स्पेशल मंगलवार, 21 और 28 अक्टूबर, 2025 को 14:00 बजे जयनगर से प्रस्थान करेगी और गुरुवार को 05:30 बजे प्रतापनगर पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छेवकी, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

अनंत सिंह : काला चश्मा, 25 हजार समर्थक और भोज का जलवा! अनंत सिंह ने नामांकन के दिन दिखाया पूरा बिहारी स्वैग

पटना जिले के मोकामा विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को बाहुबली नेता और जेडीयू उम्मीदवार अनंत सिंह उर्फ 'छोटे सरकार' के नामांकन ने पूरे क्षेत्र को अपनी रंगत में रंग दिया। पांच बार के विधायक अनंत सिंह ने मोकामा विधानसभा सीट से जेडीयू के टिकट पर नामांकन दाखिल किया।

उनका काफिला और रोड शो किसी भौकाली जुलूस से कम नहीं था। इतना ही नहीं उनका नामांकन काफिला सोशल मीडिया पर सबका ध्यान खिंच लिया। नामांकन से पहले अनंत सिंह ने अपने आवास पर पूजा-अर्चना की और फिर थार गाड़ी से नामांकन दाखिल करने के लिए रवाना हुए।

रोड शो और समर्थकों की भीड़

अनंत सिंह सफेद रंग की थार गाड़ी से नामांकन करने पहुंचे। उनके समर्थकों की संख्या इतनी अधिक थी कि करीब एक हजार से ज्यादा गाड़ियों का काफिला रोड शो का हिस्सा बना। इससे पहले अनंत सिंह ने अपने समर्थकों के लिए 25 हजार लोगों का भव्य भोज कराया। बताया जा रहा है कि इस मौके पर लगभग एक लाख रसगुल्ले (गुलाब जामुन) बनाए गए थे।

भोज का आयोजन दो विशाल पंडाल में किया गया, जहाँ एक बार में तीन हजार लोग बैठकर खाना खा सकते थे। सुबह आठ बजे से ही पंगत शुरू हो गई थी और समर्थकों का आवागमन लगातार जारी रहा। खाने के मेन्यू में काला रसगुल्ला, आलू-गोभी की सब्जी, मिक्स वेज, पूरी समेत कई व्यंजन शामिल थे। पिछले दो दिनों से रसोई में दिन-रात खाना तैयार किया जा रहा था, ताकि समर्थकों को बेहतर सुविधा मिल सके।

राजनीतिक सफरः पांच बार के विधायक

अनंत सिंह का राजनीतिक करियर बेहद दिलचस्प रहा है। उन्होंने मोकामा विधानसभा सीट से 1990, 2000, 2005, 2010 और 2015 में जीत दर्ज की है। 2005 और 2010 में उन्होंने जेडीयू के टिकट पर जीत हासिल की, जबकि 2015 में उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतकर सबको चौंका दिया।

2020 के विधानसभा चुनाव में उनकी पत्नी नीलम देवी ने इसी सीट से जीत हासिल की थी। अब 2025 में अनंत सिंह एक बार फिर मैदान में हैं और जेडीयू के उम्मीदवार के रूप में ताल ठोक रहे हैं।

अनंत सिंह का भौकाली अंदाज

नामांकन के दौरान अनंत सिंह ने अपने पुराने अंदाज में समर्थकों के बीच आकर्षण का केंद्र बने। रोड शो और भीड़ ने पूरे मोकामा विधानसभा क्षेत्र में माहौल को चुनावी रंग में रंग दिया। अनंत सिंह अपने क्षेत्र में मजबुत पकड़ रखते हैं और किस तरह से चुनावी रणनीति के साथ समर्थकों को जोड़े रखते हैं।

पवन सिंह पर ससुर रामबाबू का शॉकिंग बयान, ज्योति सिंह के पिता ने खोली एक्टर दामाद की पोल, क्यों जोड़े हाथ?

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और बीजेपी नेता पवन सिंह इन दिनों अपने किसी नए गाने या फिल्म की वजह से नहीं, बल्कि पत्नी ज्योति सिंह से चल रहे विवाद को लेकर लगातार चर्चा में हैं।

ज्योति सिंह का चुनावी मैदान में उतरने का ऐलान

मामला अब इतना आगे बढ़ गया है कि इसमें ज्योति सिंह के पिता रामबाबू सिंह के बयान ने नया मोड़ ला दिया है। जहां एक ओर पवन सिंह ने हाल ही में ये घोषणा की है कि वह बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। वहीं दूसरी ओर उनकी पत्नी ज्योति सिंह ने ठान लिया है कि वह हर हाल में चुनावी मैदान में उतरेंगी।

ज्योति सिंह के पिता रामबाबू का चौंकाने वाला बयान

सूत्रों के मुताबिक, ज्योति सिंह ने दावा किया है कि वह काराकाट सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर चुकी हैं। आज तक की रिपोर्ट के अनुसार, जब ज्योति सिंह के पिता रामबाबू सिंह से ये सवाल पूछा गया कि क्या उन्होंने अपने दामाद पवन सिंह से कहा था कि उनकी बेटी को विधायक बना दीजिए। इस पर रामबाबू सिंह ने हाथ जोड़कर, रो-रोकर कह रहा था कि सब कुछ भूल जाइए, घर की बात घर में सुलझा लीजिए।

भावुक होकर जवाब दिया था।

पवन सिंह को लेकर ससुर ने किया शॉकिंग खुलासा

-रामबाबू सिंह ने बताया- ये घटना करीब तीन महीने पुरानी है। मैं लखनऊ गया था लेकिन घर में मुझे घुसने नहीं दिया जा रहा था। मैं किसी तरह अंदर गया और पवन सिंह से मिलने की कोशिश की थी। मैं उनसे

-रामबाबू सिंह ने आगे कहा- मैंने पवन सिंह से कहा था कि ज्योति ने आपके लिए तपस्या की है। लोकसभा चुनाव के दौरान उसने आपके साथ दिन-रात प्रचार किया था, जब आप एसी में आराम कर रहे थे, वह धूप में लोगों के बीच रैली कर रही थी। मैंने सोचा था कि अब दोनों फिर से एक हो जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

'मेरी बेटी जैसी लड़की अब पवन सिंह को नहीं मिलेगी'

रामबाबू सिंह ने भावुक होते हुए कहा- मेरी बेटी जैसी लड़की अब उन्हें नहीं मिलेगी। उसे खोने की सबसे बड़ी गलती खुद पवन सिंह ने की है। जब रामबाबू सिंह से पूछा गया कि आखिर ज्योति सिंह ने चुनाव लड़ने का फैसला क्यों लिया तो उन्होंने कहा- लोकसभा चुनाव के बाद ज्योति ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि अभी बहुत दम बाकी है, हम हारे नहीं हैं।

'निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतर सकती हैं ज्योति'

रामबाबू सिंह ने कहा- ज्योति सिंह के इस जज्बे को देखकर काराकाट के लोगों ने कहा था कि अगर पवन सिंह नहीं आ रहे तो आप चुनाव लड़िए। रामबाबू सिंह ने आगे बताया कि उनकी बेटी ने साफ कह दिया है कि अब वह किसी भी हाल में चुनाव लड़ेंगी। ज्योति ने मुझसे कहा है कि अगर कोई पार्टी टिकट नहीं देती, तो वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरेगी।

पवन सिंह और ज्योति सिंह के बीच मतभेद

-आपको बता दें कि पवन सिंह और ज्योति सिंह के बीच ये मतभेद अब व्यक्तिगत दायरे से निकलकर राजनीतिक रंग ले चुका है। एक तरफ जहां पवन सिंह सार्वजनिक मंचों पर इस विवाद पर बोलने से बच रहे हैं, वहीं ज्योति और उनके पिता के बयान लगातार मीडिया की सुर्खियां बन रहे हैं।

-अब देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में पवन सिंह और ज्योति सिंह का विवाद किस दिशा में जाता है। क्या दोनों के बीच सुलह होगी या राजनीति अब इस रिश्ते को और ज्यादा जटिल बना देगी।

डिलीवरी ब्वॉय से लूट का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की बादा पुलिस ने एनकाउंटर में लूट के आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में घायल आरोपी को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसका इलाज चल रहा है। इसके दो अन्य साथियों की तलाश जारी है। पुलिस इन दोनों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक शिव राज ने बताया कि मटौंध थानाध्यक्ष और उनकी टीम ने टीम ने लूट कांड के आरोपी बिजेंद्र को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। यह छतरपुर का रहने वाला है। उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। 12 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे, उसने और उसके दो साथियों ने एक डिलीवरी ब्वॉय से 6,000 रुपये चुरा लिए। सूचना मिलने पर, मटौंध थानाध्यक्ष तुरंत मौके पर

पहुँचे और ऑपरेशन त्रिनेत्र में लगे कैमरों की मदद से मामले की जाँच की । बिजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अन्य दो साथी भी इस घटना में मौजूद थे। जो अभी फरार हैं। उसका और उसके साथियों का आपराधिक इतिहास रहा है।

एसपी पलाश बंसल ने बताया कि सोमवार की देर रात थाना मटौंध क्षेत्र में लूट की घटना को अंजाम देने वाला अन्तर्राज्यीय अभियुक्त ब्रजेंद्र उर्फ भाऊ को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया है। किसी भी कीमत पर अपराध और अपराधियों को नहीं बख्शा जाएगा। लूट मामले में 3 आरोपी हैं जिसने से अभी एक को गिरफ्तार किया गया है। अन्य प्रदेश से आकर उत्तर प्रदेश में अपराध करने वाले अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। पुलिस टीमें लगातार अपना काम कर रहीं हैं।ये अपराधी मध्य प्रदेश से आकर यहां घटनाओं को अंजाम देने का काम कर रहे थे। कई थानों में इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज है।

मुंबई मेट्रो के इस रूट पर काम अटका, डबल-डेकर पुल की वजह से तय समय में होगी देरी

(जीएनएस)।

मुंबई मेट्रो परियोजनाओं में तेजी से काम चल रहा है और सभी रूट पर तय समय में काम पूरा करने पर फडणवीस सरकार जोर दे रही है। मीरा-भायंदर से नायगांव तक की मेट्रो लाइन में फिलहाल देरी हो सकती है। इस रूट के पूरा हो जाने से शहर के बाहरी हिस्से में रहने वाले लोगों को काफी राहत मिलेगी। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (टटफ्छ्ठ) ने इस प्रोजेक्ट को लेकर अब एक नई योजना पेश की है। इसके तहत वसई खाड़ी पर एक डबल-डेकर पुल बनाने का फैसला किया गया है।

यह पुल सड़क और मेट्रो दोनों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। मुंबई मेट्रो प्रशासन ने बताया कि डबल डेकर पुल के निर्माण में कुछ तकनीकी बाधाएं आ रही हैं। इसलिए इसमें थोड़ी देरी हो रही है। मेट्रो प्रशासन का मानना है कि यह पुल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिहाज से मील का पत्थर साबित होगी।

एमएमआरडीए (MMRDA) के अधिकारियों ने बताया कि भौगोलिक चुनौतियों और भूमि अधिग्रहण की कानूनी बाध्यताओं की वजह से इसमें देर हो रही है। वसई खाड़ी क्षेत्र में पुल निर्माण के लिए तकनीकी सर्वे और पर्यावरणीय मंजूरी में कानूनी अड़चनें आ रही हैं। इसके अलावा, डबल-डेकर पुल की डिजाइन तैयार करने और उसके लिए जरूरी तकनीकी सहयोग पाने के लिए औपचारिक प्रक्रिया चल रही है। मेट्रो प्रशासन ने कहा कि ये सारी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद निर्माण काम तेजी से शुरू होगा।

- इस प्रोजेक्ट के पूरा होने पर मीरा-भायंदर, वसई, विरार और नायगांव जैसे उपनगरीय इलाकों के बीच यात्रा समय में भारी कमी आएगी।
- डबल-डेकर पुल से ऊपर का हिस्सा सड़क यातायात के लिए होगा, जबकि निचला हिस्सा मेट्रो ट्रैक के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।
- यह मॉडल मुंबई में पहली बार अपनाया जा रहा है और इसे स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में देखा जा रहा है।

मेट्रो प्रशासन ने तय की नई समयसीमा

मुंबई मेट्रो प्रशासन ने संकेत दिया है कि तकनीकी मंजूरी मिलने के बाद प्रोजेक्ट को 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पश्चिमी उपनगरों में मेट्रो नेटवर्क और सड़क परिवहन दोनों को बड़ी राहत मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पुल मुंबई मेट्रो नेटवर्क में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह न केवल समय बचाएगा बल्कि क्षेत्र में आर्थिक और रियल एस्टेट विकास को भी बढ़ावा देगा। मीरा-भायंदर इलाके में रहने वाले लोगों के लिए कनेक्टिविटी का यह एक सुविधाजनक विकल्प बन सकेगा।

वजीरगंज पुलिस ने मिशन शक्ति 0.5 के तहत महिलाओं को किया जागरूक

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को ध्यान में रखते हुए महिलाओं को समर्पित सरकारी योजनाओं के बारे में भी जागरुक किया गया

(जीएनएस)।

थाना वजीरगंज पुलिस ने जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस बीट कर्मी द्वारा अपने-अपने बीट क्षेत्र में भ्रमण करते हुए जनसमुदाय को जागरुक किया गया वहीं थाना क्षेत्र में हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, पिंक बूथ, पिंक स्कूटी व बताते हुए पैम्फलेट, फोल्डर व स्टिकर का हेल्पलाइन नंबर के बारे में बताया गया।कार्यक्रम में डीसीपी वेस्ट विश्वजीत श्रीवास्तव,एडीसीपी वेस्ट

उपायुक्त पश्चिमी, महोदय,अपर पुलिस उपायुक्त (प०) , एंव बाल विकास विभाग व समाज कल्याण विभाग अधि०/कर्म० के साथ महिला पुलिस कर्मी मिशन शक्ति प्रभारी,एण्टी रोमियों प्रभारी ,वजीरगंज क्षेत्र में पडने वाले डालीगंज चौराहा, सिटी स्टेशन, कैसरबाग बस अड्डा,आगामीर,रिवर बैंक कालोनी रेन बसेरा पर महिला डालीगंज क्षेत्र में स्थित रेन बसेरा रिबर बैंक कॉलोनी डालीगंज वजीरगंज, मे उपस्थित व 36 निराश्रित महिलाओ को उपरोक्त पुलिस कर्मियो द्वारा मिशन शक्ति फेज-5 कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया गया तथा निराश्रित महिलाओ के वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन से सम्बन्धित रजिस्टेशन करा कर नियमानुसार सहायत उपलब्ध करायी गयी ,योजनाएं जैसे महिला वितरण किया गया,महिला बीट कर्मचारियों द्वारा महिलाओं को जागरूक किया गया व 181 महिला हेल्पलाइन नं0,1090 वूमेन पावर लाइन नं0,1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन,102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एंबुलेंस हेल्पलाइन 108 एंबुलेंस सेवा, 112 आपात पुलिस सेवा, 1930 साइबर हेल्पलाइन नम्बर एवं यूपी कॉप आदि धनंजय कुशवाहा,मिशन शक्ति कार्यक्रम में पहुँचे,पश्चिम जोन में लगातार मिशन शक्ति कार्यक्रम को लेकर महिलाओं को किया जा रहा जागरूक,थाना वजीरगंज इंस्पेक्टर राजेश कुमार त्रिपाठी का कहना है कि हम आगे भी महिलाओं के सम्मान के लिए मिशन शक्ति अभियान जारी रखेंगे।

आसिम मुनीर पाक आर्मी अफसरों पर फूटा गुस्सा, अफगानिस्तान से पिटाई के बाद आग बबूला हुए फील्ड मार्शल

(जीएनएस)।

रावलपिंडी में, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने डूरंड रेखा पर अफगान तालिबान के हमलों के बाद एक आपातकालीन बैठक बुलाई। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जनरल हेडक्वार्टर (GHQ) में हुई इस बैठक में पेशावर के कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उमर अहमद बोखारी, दक्षिणी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राहत नसीम अहमद खान, और इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (डीजी आईएसआई) के महानिदेशक आसिम मलिक सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों को तलब किया गया।

डूरंड लाइन पर पिटाई के बाद झल्लाए मुनीर

मुनीर ने अपने सीनियर कमांडरों को पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर "खुफिया विफलता" और "इंटेलिजेंस

इनपुट की कमी" के लिए कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कथित तौर पर हर एक अधिकारी से डिटेल में जवाब मांगे, यह सवाल करते हुए कि इतने बड़े हमले की पहले से खुफिया जानकारी क्यों नहीं मिली और तत्काल जवाबी कार्रवाई के लिए सैन्य सहायता तैयार क्यों नहीं थी।

खुफिया सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान पाकिस्तान सेना प्रमुख का लहजा सख्त था, वे अधिकारियों को फटकार रहे थे। इंटेलिजेंस इनपुट न होने से मुनीर आगबबूला

मुनीर ने सवाल किया, "खुफिया जानकारी कहां थी? इतनी बुरी तरह से हारने के पीछे क्या कारण है?" उन्होंने प्रभावी रणनीति की गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाए, जिससे तालिबान के अचानक हमले को रोकने में मदद मिलती। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, फील्ड मार्शल मुनीर ने सभी सीनियर कमांडरों को सात दिनों के भीतर चीफ ऑफ जनरल स्टाफ के कार्यालय में एक डिटेल रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया, जिसमें चूक, कारण और आगे की रणनीति बताना होगी। उन्होंने सभी क्षेत्रों में कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने और "आगे होने वाले किसी भी नुकसान से बचने के लिए सभी मोर्चों पर जरूरी उपाय" करने के लिए नए आदेश भी जारी किए।

सीएम योगी का निर्देश: अब एक ही प्लेटफॉर्म पर बीज, सिंचाई और मौसम की मिलेगी जानकारी; रियल टाइम पर होगा अपडेट

लखनऊ, (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर, टिकाऊ और डिजिटल रूप से सशक्त बनाना शामिल है। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में ह्यडिजिटल एग्रीकल्चर इकोसिस्टमह्न के निर्माण की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाए, ताकि फसल, मौसम, बीज, सिंचाई, उर्वरक, बीमा, बाजार, लॉजिस्टिक्स और संस्थागत सेवाओं से संबंधित सभी सूचनाएं एकीकृत प्लेटफॉर्म पर रियल टाइम उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए प्रदेश में डिजिटल कृषि नीति तैयार की जाए, जो राष्ट्रीय तकनीकी मानकों पर आधारित हो और सुरक्षित साइबर अवसंरचना तथा नवाचार आधारित

अनुसंधान को प्रोत्साहित करे।

मुख्यमंत्री मंगलवार रात उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड रूरल एंटरप्राइज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग प्रोजेक्ट (यूपी एग्रीज) की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीज से लेकर बाजार तक की प्रक्रिया को समग्र दृष्टिकोण से जोड़ते हुए यह परियोजना किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने और राज्य के कृषि क्षेत्र को तकनीकी रूप से उन्नत एवं डिजिटल टिकाऊ कृषि तंत्र की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्यकृषि से उद्योग तकह्न की सोच के साथ कार्य करते हुए मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश विविध कृषि सहायता परियोजना (यूपी डास्प) के समन्वयन में यूपी एग्रीज का क्रियान्वयन करते हुए कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों और किसान उत्पादक संगठनों को भी परियोजना से जोड़ा जाए।

सीट शेयरिंग पर संग्राम के बीच शायराना तंज, चिराग पासवान के जीजा और आरजेडी नेता साधु पासवान ने गीत के जरिए साधा निशाना

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति इस समय बेहद उलझे हुए मोड़ पर है। सीट शेयरिंग का ऐलान होने के बाद भी एनडीए में नाराजगी और मनाने का दौर चल रहा है। दूसरी ओर महागठबंधन में कांग्रेस और आरजेडी के बीच घमासान काफी बढ़ गया है। आरजेडी और कांग्रेस के दिग्गज नेता सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए शायराना तंज कर रहे हैं। इन सबके बीच चिराग पासवान के जीजा और आरजेडी नेता साधु पासवान भी सोशल मीडिया पर फिल्मी गीतों के जरिए तंज कस रहे हैं।

आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक दलों के बीच सीट शेयरिंग पर वार्ता लगातार जारी है। अभी तक कोई फाइनल फैसला नहीं हो पाया है। महागठबंधन और एनडीए दोनों ही मोर्चों पर जोर-आजमाइश जारी है और पहले चरण के नामांकन की समयसीमा अब केवल चार दिन दूर है। इस बीच, राजनीतिक शेरो-शायरी का सिलसिला भी जोर पकड़ रहा है।

जीजा ने इशारों में किया तंज

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान के जीजा और आरजेडी नेता अनिल कुमार साधु अक्सर उन पर हमलावर रहते हैं। हालांकि, सीट शेयरिंग के लिए चल रहे घमासान के बीच देर रात उन्होंने एक पोस्ट किया, जिसमें एक फिल्मी गीत की पंक्तियां थीं। उन्होंने लिखा, 'मेरे महबूब कयामत होगी, आज रुसवा तेरी गलियों में मोहब्बत होगी। मेरी नजरें तो गिला करती हैं, तेरे दिल को भी सनम तुझसे शिकायत होगी।'

उन्होंने स्पष्ट नहीं किया कि यह संदेश किसके लिए था। यह माना जा रहा है कि यह शेरो-शायरी महागठबंधन में जारी सीट शेयरिंग के विवाद और हाल ही में हुई दो-तरफा शायरी का सिलसिला जारी रखते हुए किया गया है। अनिल कुमार उर्फ साधु पासवान अक्सर चिराग पासवान को खूब खरी-खोटी सुनाते हैं।

शायराना तंज की शुरूआत आरजेडी सांसद मनोज झा ने की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर रहीम के दोहे के माध्यम से कांग्रेस को अप्रत्यक्ष नसीहत दी थी। इसके बाद कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने उसी पोस्ट पर जवाब देते हुए शायरी का जवाब दिया था। रागिनी नायक ने भी एक शायराना पोस्ट की थी। महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर बैठकों का दौर पटना से लेकर दिल्ली तक जारी है। तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी दोनों ही पटना में हैं। माना जा रहा है कि अगले एक-दो दिनों में औपचारिक ऐलान हो सकता है।

लालू यादव को झटका, दिल्ली कोर्ट ने उन्हें बताया आपराधिक साजिश के सूत्रधार

(जीएनएस)।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को पूर्व रेल मंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के खिलाफ कम्ळठळठ होटल टेंडर भ्रष्टाचार मामले में आरोप तय किए हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह 'एक प्रभावशाली संभावना' के तौर पर सामने आया है कि इस आपराधिक साजिश के सूत्रधार लालू प्रसाद यादव थे।

विशेष सीबीआई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि संपूर्ण चर्चा से यह स्पष्ट होता है कि लालू प्रसाद यादव को रांची और पुरी के बीएनआर होटलों को कम्ळठळठ को ट्रांसफर करने से संबंधित प्रक्रियाओं की प्रथम दृष्टया पूरी जानकारी थी।

विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने बताया, "उन्होंने 31 अगस्त 2004 और 26 सितंबर 2006 को दो मौकों पर मौखिक निर्देशों के माध्यम से बीएनआर होटलों के साथ-साथ प्रस्तावित बजट होटलों के हस्तांतरण की गति और प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए प्रथम दृष्टया हस्तक्षेप किया।"

आरोपियों ने एक साजिश रची

न्यायाधीश गोगने ने कहा कि कोर्ट ने गंभीर संदेह के आधार पर यह संभावित पाया है कि विभिन्न आरोपियों ने एक साजिश रची, जिसमें बड़ी साजिश के भीतर कई छोटी साजिशें भी शामिल हो सकती हैं। इसका उद्देश्य अजय और विनय कोचर बंधुओं (सफल बोली लगाने वाली मेसर्स सुजाता होटल के निदेशक) के हाथों से भूखंडों के रूप में 'कुछ देकर कुछ लेने' की राशि को लालू प्रसाद यादव के परिवार के नियंत्रण में ट्रांसफर करना था।

परिवार को वित्तीय लाभ मिला

कोर्ट ने टिप्पणी की, "इस प्रकार, लालू प्रसाद यादव पर मेसर्स सुजाता होटल प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में टेंडर प्रक्रिया की निष्ठा की देखरेख और उसे प्रभावित करने का गंभीर संदेह है।" विशेष न्यायाधीश ने आगे कहा, "इस प्रभाव से उनके परिवार को वित्तीय लाभ मिला, जबकि राज्य/सरकारी खजाने को गलत तरीके से नुकसान हुआ। यह नुकसान 2005 में कोचर बंधुओं द्वारा मेसर्स डीएमसीपीएल को बेची गई भूमि के कम मूल्यांकन के कारण और बोली में हेरफेर के साथ-साथ मूल्यांकन के कारण हुआ।

सम्राट चौधरी से नीतीश मिश्रा तक, भाजपा की पहली लिस्ट के 13 बड़े चेहरे कौन सी जाति से?

(जीएनएस)।

बिहार की सियासत में जाति सिर्फ पहचान नहीं, बल्कि सत्ता की चाबी है। जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव 2025 नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे हर पार्टी अपनी जातीय बिसात बिछाने में जुट गई है। इसी बीच भाजपा ने मंगलवार (14 अक्टूबर) को अपने 71 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी। इस लिस्ट में जातीय संतुलन को लेकर पार्टी ने काफी सोच-समझकर कदम बढ़ाया है।

भाजपा ने इस बार 101 सीटों पर लड़ने का फैसला किया है, जिसमें से 71 सीटों के उम्मीदवार घोषित हो चुके हैं। इनमें 13 मंत्री, 9 महिलाएं और कई पुराने चेहरे दोबारा मैदान में हैं। पार्टी ने जहां 56 विधायकों में से 46 को दोबारा टिकट दिया है, वहीं 10 के टिकट काटे हैं। वनइंडिया हिंदी की खास सीरिज "जाति की पाति" में आज हम बात करेंगे भाजपा के पहले लिस्ट के 13 बड़े चेहरों की जाति के बारे में।

भाजपा की लिस्ट में किस जाति का कितना प्रभाव?

71 उम्मीदवारों में भाजपा ने सवर्णों को सबसे ज्यादा तरजीह दी है। पार्टी की लिस्ट में सवर्ण उम्मीदवारों की संख्या 35 है। इसके अलावा डइउ (अन्य पिछड़ा वर्ग) से 11, एइउ (अति पिछड़ा वर्ग) से 19 और रउ-रळ से 6 उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है। यानी भाजपा ने अपने पुराने वोट बैंक सवर्णों को बनाए रखते हुए पिछड़े और अति पिछड़े वर्ग को भी संतुलित प्रतिनिधित्व दिया है।

भाजपा की पहली लिस्ट: 13 बड़े नाम और उनकी जातीय पहचान

अब बात उन 13 बड़े चेहरों की, जिन पर भाजपा ने इस चुनाव में सबसे ज्यादा दांव लगाया है। इन नेताओं की जाति न सिर्फ उनके राजनीतिक आधार को बताती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि भाजपा ने किस तरह जातीय समीकरणों को साधने की कोशिश की है।

सम्राट चौधरी – कोईरी जाति

बिहार के डिप्टी सीएम और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी इस बार तारापुर से चुनाव लड़ रहे हैं। वे कोईरी जाति से आते हैं, जो बिहार की राजनीति में एक मजबूत डइउ वर्ग माना जाता है। भाजपा सम्राट चौधरी के जरिए कुशवाहा वोटबैंक को मजबूत करने की कोशिश में है।

विजय सिन्हा – भूमिहार जाति

बिहार के दूसरे डिप्टी सीएम विजय सिन्हा लखीसराय से मैदान में हैं। भूमिहार समाज भाजपा का पारंपरिक सवर्ण वोटबैंक रहा है। विजय सिन्हा पार्टी के पुराने और भरोसेमंद नेता हैं, जिनकी पकड़ संगठन में भी मजबूत मानी जाती है।

मंगल पांडे – ब्राह्मण जाति

सीवान से उम्मीदवार बनाए गए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ब्राह्मण समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मलेशिया में फैली महामारी! देश में लॉकडाउन के आसार, हाई अलर्ट के बाद स्कूल बंद, कौन सा है वायरस?

(जीएनएस)। इन्फ्लुएंजा वायरस में एकाएक तेजी होते देख सरकार ने देशभर के स्कूलों को एक सप्ताह के लिए बंद करने का निर्देश दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब मलेशिया में सिजिल पेलजारन मलेशिया (रढट) परीक्षा, जिसमें लगभग 400,000 छात्र शामिल होते हैं, बस कुछ ही हफ्तों दूर है।

देशभर में 100 इन्फ्लुएंजा क्लस्टर की पुष्टि

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय ने इन्फ्लुएंजा ए और बी के लगभग 100 क्लस्टर रिपोर्ट किए हैं। इन मामलों में अचानक हुई वृद्धि के बाद, स्कूलों को एहतियात के तौर पर बंद करने का आदेश दिया गया है। शिक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मोहम्मद आजम अहमद ने बताया कि यह निर्णय जिला स्वास्थ्य अधिकारियों की सलाह के बाद लिया गया है।

कब खुलेंगे स्कूल? पता नहीं

आजम अहमद ने स्पष्ट किया कि "वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कई स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया गया है।" उन्होंने यह भी बताया कि अब तक लगभग 6,000 छात्र इस स्कूल बंदी से प्रभावित हुए हैं। मंत्रालय ने अभी तक यह घोषणा नहीं की है कि स्कूलों को कब फिर से खोला जाएगा या छात्रों को कक्षाओं में लौटने की अनुमति कब मिलेगी।

क्वारंटाइन में भेजे जा रहे मरीज

लगभग 100 इन्फ्लुएंजा क्लस्टर पूरे देश में फैल रहे हैं, और स्वास्थ्य अधिकारी संक्रमित लोगों के लिए पांच से सात दिनों के लिए क्वारंटाइन की सलाह दे रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के महानिदेशक ने यह भी कहा कि मलेशिया के स्कूलों को प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए सख्त निवारक और नियंत्रण उपायों को लागू करने के लिए कहा गया है।

कोविड-19 के बाद सबसे बड़ा प्रकोप

यह वर्तमान इन्फ्लुएंजा लहर कोविड-19 महामारी की शुरूआत के बाद से मलेशिया में सबसे व्यापक वायरल प्रकोपों में से एक है। आजम अहमद ने बर्नमा को बताया, "हमने स्कूलों को इन दिशानिर्देशों का पालन करने, फेस मास्क के उपयोग को प्रोत्साहित करने और छात्रों के बीच बड़े समूह की गतिविधियों को कम करने की याद दिलाई है।"

सीएम मोहन यादव का सख्त रुख, सिवनी हवाला 'लूट कांड' में 11 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर, 5 गिरफ्तार

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में हवाला की कथित 1.45 करोड़ रुपये की 'लूट' के मामले ने पुलिस महकमे को हिला दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को इस घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, "कानून का उल्लंघन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।

" उनके निर्देश पर सिवनी पुलिस ने 11 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, जिसमें सीनियर सब-डिवीजनल पुलिस ऑफिसर (रउ्डढ) पूजा पांडे, थाना प्रभारी (TI) अर्पित भैरम समेत वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। अब तक 5 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी की तलाश जारी है।

यह कार्रवाई जबलपुर रेंज के IG प्रमोद वर्मा की जांच रिपोर्ट के आधार पर हुई, जिसमें निलंबित 11 कर्मियों पर लूट, मारपीट और सबूत मिटाने के आरोप सिद्ध हुए। सीएम का यह बयान न केवल सिवनी कांड पर, बल्कि पूरे प्रदेश में कानून-व्यवस्था पर सख्ती का संकेत देता है, खासकर हाल के भोपाल पुलिस बर्बरता और नर्सिंग घोटाले के बाद।

यह कांड मध्य प्रदेश पुलिस की छवि पर गहरा आघात है, जहां हवाला कारोबारियों को पकड़ने की जिम्मेदारी निभाने वाली ही टीम पर लूट का आरोप लगा। सीएम यादव ने कहा, "पुलिस जनता की रक्षा का प्रतीक है, न कि अपराधी। ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस होगा।" गिरफ्तारियों के साथ जांच तेज हो गई है, और दोषियों को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत सजा का प्रावधान किया गया है। क्या यह कार्रवाई पुलिस सुधार का शुरूआती बिंदु बनेगी?

हवाला कारोबार से पुलिस लूट तक

मामला 8 अक्टूबर 2025 की देर रात का है। महाराष्ट्र के जालना के व्यापारी सोहनलाल परमार अपने ड्राइवर शेख मुख्तार और साथी इरफान पठान के साथ कटनी से नागपुर (फिर जालना) जा रहे थे। उनकी महाराष्ट्र नंबर वाली क्रेटा कार (टक्ष्-13-एड-3430) में कथित रूप से 2.96 करोड़ रुपये की हवाला राशि थी। सूचना मिलने पर सिवनी के बंडोल थाना प्रभारी ळक अर्पित भैरम की टीम ने एनएच-44 पर शीलादेही बायपास के पास कार रोकी।

तलाशी में कार से नकदी बरामद हुई, लेकिन व्यापारियों के अनुसार कुल 2.96 करोड़ थे, जबकि पुलिस ने केवल 1.45 करोड़ जब्त करने की कार्रवाई दर्ज की। आरोप है कि बाकी 1.51 करोड़ रुपये पुलिसकर्मियों ने "बंदरबांट" कर लिए। कार को बंडोल थाने में एक रात रोका गया, और यात्रियों के साथ मारपीट की गई। अगले दिन, 9 अक्टूबर को, सोहनलाल और साथी थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। शुरू में रउ्डढ पूजा पांडे ने लूट से इनकार किया, लेकिन मामला उक्क्ष्ट स्तर तक पहुंचा।

क्क्ष्ट प्रमोद वर्मा ने प्रारंभिक जांच के बाद 9 अक्टूबर को 9 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया। 10 अक्टूबर को DGP कैलाश मकवाना ने रउ्डढ पूजा पांडे को भी सस्पेंड कर दिया, कुल 10 निलंबन। 11 अक्टूबर को सिवनी रढ सुनील मेहता ने 11वें कर्मचारी को निलंबित किया। 13 अक्टूबर को CM के निर्देश पर 11 पर एफआईआर दर्ज हुई, और 5 को गिरफ्तार कर लिया गया – TI अर्पित भैरम, दो आरक्षक और दो अन्य। बाकी 6 फरार हैं।

निलंबित और आरोपी पुलिसकर्मियों की सूची: SDOP से आरक्षक तक

नीचे निलंबित 11 पुलिसकर्मियों की सूची दी गई है, जिनमें से 5 गिरफ्तार हैं। एफआईआर में लूट (IPC 395), मारपीट (IPC 323) और सबूत मिटाने (IPC 201) की धाराएं लगाई गईं।

क्रमांक,नाम और पदनाम,स्थिति,टिप्पणी

1,SDOP पूजा पांडे,"निलंबित, फरार","मुख्य आरोपी, जांच का केंद्र।"

2,TI अर्पित भैरम (बंडोल थाना प्रभारी),गिरफ्तार,"कार रोकी, लूट का आरोप।"

3,प्रधान आरक्षक माखन (SDOP कार्यालय),"निलंबित, फरार",सहयोगी।

4,प्रधान आरक्षक रविंद्र उइके (रीडर),गिरफ्तार,दस्तावेज संभाले।

5,आरक्षक जगदीश यादव (SDOP कार्यालय),"निलंबित, फरार",चेकिंग टीम में।

6,आरक्षक योगेंद्र चौरसिया (SDOP कार्यालय),गिरफ्तार,मारपीट का आरोप।

7,आरक्षक चालक रितेश (SDOP कार्यालय),"निलंबित, फरार", वाहन संभाला।

लव मैरिज पर दूल्हे की शामत आई, दुल्हन के 45 गांव को मुर्गा बकरा और बिरयानी खिलाने की सजा, लगा तगड़ा जुमार्ना!

(जीएनएस)।

कहते हैं, प्यार करने वालों के रास्ते कभी आसान नहीं होते, लेकिन इस दूल्हे की कहानी तो बिल्कुल फिल्मी निकली। सोचिए, किसी ने लव मैरिज की ठानी और नतीजा ये हुआ कि उसे 45 गांवों के लोगों को मुर्गा-बकरा और बिरयानी की दावत देनी पड़े। ऊपर से 2 लाख रुपये का जुमार्ना भी।

ये कोई मजाक नहीं, बल्कि एक सच्ची कहानी है, जिसमें प्यार, इज्जत, पंचायत और परंपरा सब कुछ एक साथ टकरा गए। आगे जानिए कैसे एक लव मैरिज ने पूरे इलाके में हलचल मचा दी और क्यों ये शादी अब चर्चा का सबसे बड़ा मुद्दा बन गई है...

दरअसल, घटना छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के विष्णुपुर की है, जहां कुछ साल पहले अलीशा (काल्पनिक नाम) और प्रभाष (काल्पनिक नाम) की प्रेम कहानी शुरू हुई। अलीशा का गांव धान की बुआई के लिए विष्णुपुर आता था, और यहीं दोनों की मुलाकात हुई। प्यार परवान चढ़ा और दोनों ने 2022 में कोर्ट मैरिज कर ली। अलीशा नर्सिंग की पढ़ाई में व्यस्त हो गईं, लेकिन 10 दिन पहले पहली बार अपने पति प्रभाष के घर आईं। इस बीच, अलीशा के परिजनों ने उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करा दी।

चूंकि अलीशा बालिग थीं, पुलिस ने मामला तुरंत बंद कर दिया। लेकिन, जब अलीशा के गांव और आसपास के 45 गांवों के लोगों को इस कोर्ट मैरिज की भनक लगी, तो उन्होंने प्रभाष के घर पर हंगामा शुरू कर दिया। करीब 500 लोग विष्णुपुर पहुंच गए और आदिवासी परंपराओं के तहत सजा की मांग करने लगे।

लड़की के गांव के बुजुर्गों ने साफ कहा, 'हमें लव मैरिज से कोई आपत्ति नहीं, लेकिन आदिवासी रीति-रिवाजों का पालन करना होगा। दामाद को 'मुर्गा-बकरा भात' (चिकन बिरयानी और मांसाहारी भोज) का आयोजन करना होगा और 2 लाख रुपये की सामग्री देनी होगी।' यह सजा सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए दी जाती है, जो आदिवासी समुदाय में प्रचलित है।

प्रभाष के परिवार ने इस मांग को अव्यवहारिक बताते हुए 30,000 रुपये देने का प्रस्ताव रखा, लेकिन गांव वाले इस राशि को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। बातचीत अभी भी चल रही है, लेकिन तनाव बढ़ता जा रहा है। 500 लोगों का जमावड़ा प्रभाष के घर के बाहर डटा हुआ है, जिससे माहौल गर्म है।

प्रभाष के परिवार का कहना है कि यह मांग उनके लिए चौंकाने वाली है। एक परिजन ने कहा, 'प्यार करना गुनाह तो नहीं, फिर इतना बड़ा दबाव क्यों? हमारी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं कि 2 लाख रुपये और सैकड़ों लोगों की दावत का खर्च उठा सकें।' दूसरी ओर, अलीशा के गांव के बुजुर्गों का तर्क है कि यह परंपरा सामाजिक एकता के लिए जरूरी है। उनका कहना है, 'रीति-रिवाजों का सम्मान किए बिना शादी को स्वीकार नहीं किया जा सकता।'

सोशल मीडिया पर गरमाया मुद्दा

यह मामला सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया है। कुछ यूजर्स इसे लव मैरिज पर सामाजिक बंदिशों का उदाहरण बता रहे हैं, तो कुछ इसे परंपराओं और आधुनिकता के टकराव के रूप में देख रहे हैं। एक ट्वीट में लिखा गया, 'प्यार की सजा में बिरयानी और 2 लाख? ये कैसी परंपरा है जो प्यार को बोझ बनाए?' वहीं, कुछ लोग इसे आदिवासी संस्कृति का हिस्सा मानकर समर्थन कर रहे हैं।

क्या कहता है कानून?

कानूनी तौर पर, अलीशा और प्रभाष की शादी वैध है, क्योंकि दोनों बालिग हैं और कोर्ट मैरिज रजिस्टर्ड है। लेकिन, सामाजिक दबाव ने इस जोड़े को मुश्किल में डाल दिया है। स्थानीय पुलिस ने अभी तक कोई हस्तक्षेप नहीं किया है, क्योंकि मामला सामुदायिक है।

समाजशास्त्रियों का कहना है कि ऐसी परंपराएं ग्रामीण और आदिवासी समुदायों में आम हैं, लेकिन इनके चलते कई बार व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर सवाल उठते हैं।

क्या कहते हैं दोस्त और रिश्तेदार?

अलीशा और प्रभाष ने इस मसले पर सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहा है, लेकिन उनके दोस्तों का कहना है कि यह जोड़ा तनाव में है। एक दोस्त ने बताया, 'वे खुश थे कि उनकी शादी को कानूनी मान्यता मिल गई, लेकिन अब गांव वालों का दबाव उन्हें परेशान कर रहा है।' रिश्तेदारों ने इसे 'प्यार की सजा' करार दिया और इसे अनुचित बताया।

परंपरा बनाम प्यार का टकराव

कांकेर का यह हादसा प्यार और परंपराओं के बीच के टकराव को उजागर करता है। जहां एक ओर अलीशा और प्रभाष ने अपने प्यार को कानूनी जामा पहनाया, वहीं सामुदायिक रीति-रिवाजों ने उनके लिए नई चुनौतियां खड़ी कर दीं।